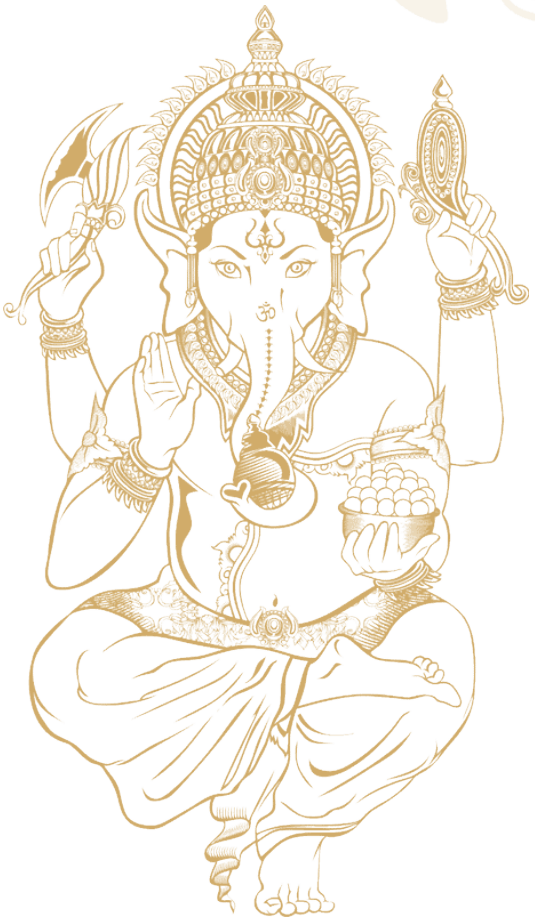

Yuvraj singh

05 Oct 1989

04:45 AM

Himatnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121349908

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/10/1989**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	55:35:39 घटी
स्थान	**Himatnagar**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:35:00 उत्तर
रेखांश	73:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:07:08 घंटे
वेलान्तर	00:11:13 घंटे
साम्पातिक काल	05:01:36 घंटे
सूर्योदय	06:30:44 घंटे
सूर्यास्त	18:22:14 घंटे
दिनमान	11:51:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:59:12 कन्या
लग्न के अंश	22:55:36 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:55:36	329:14:25	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	17:59:12	00:59:08	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	13:09:41	12:01:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	कन्या	16:16:10	00:39:14	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कन्या	02:06:29	00:10:15	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			मिथु	16:13:21	00:04:34	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	02:06:48	01:07:54	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			धनु	14:02:24	00:02:18	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	00:52:08	00:05:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:52:08	00:05:51	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:53:02	00:01:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	15:56:36	00:00:27	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:05:33	00:02:08	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	22:50:40	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:00

लग्न-चलित

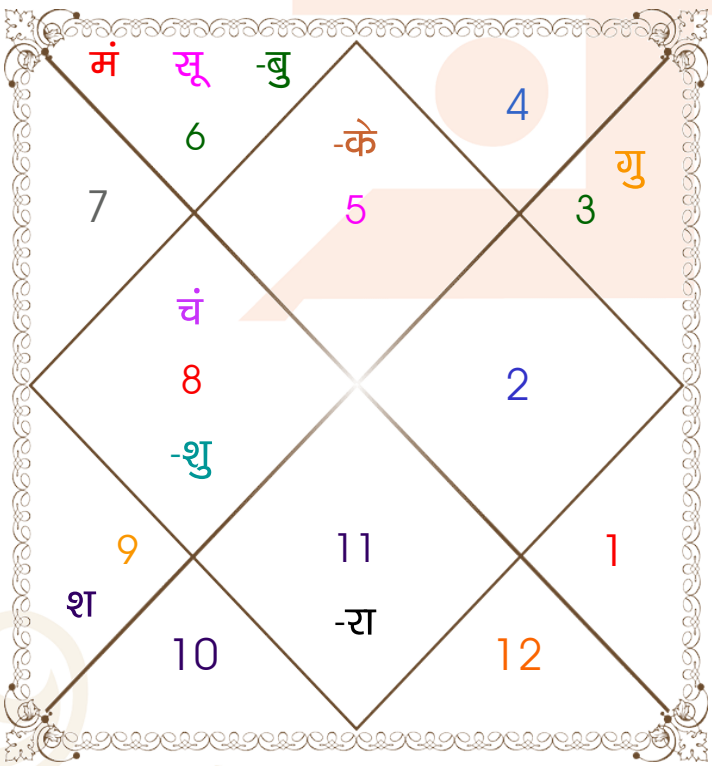

चन्द्र कुंडली

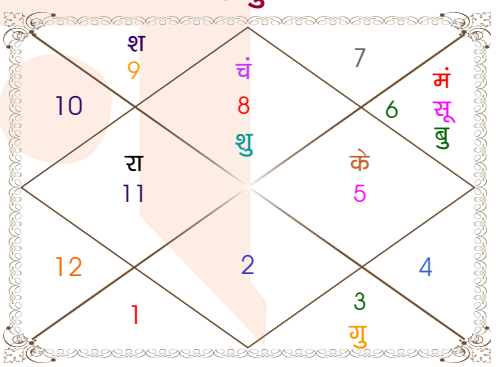

नवमांश कुंडली

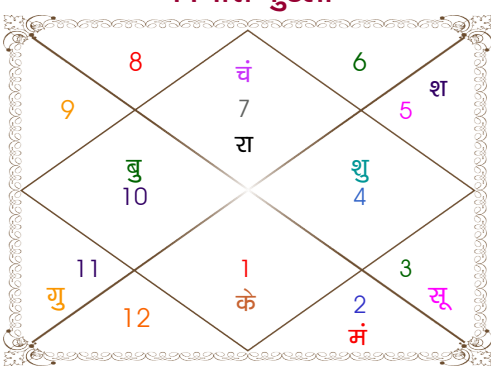

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 11 मास 28 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/10/1989		03/10/1994		03/10/2011		03/10/2018		03/10/2038	
03/10/1994		03/10/2011		03/10/2018		03/10/2038		03/10/2044	
	00/00/0000	बुध	01/03/1997	केतु	01/03/2012	शुक्र	02/02/2022	सूर्य	21/01/2039
	00/00/0000	केतु	26/02/1998	शुक्र	01/05/2013	सूर्य	02/02/2023	चंद्र	22/07/2039
	00/00/0000	शुक्र	27/12/2000	सूर्य	06/09/2013	चंद्र	03/10/2024	मंगल	27/11/2039
	00/00/0000	सूर्य	02/11/2001	चंद्र	07/04/2014	मंगल	03/12/2025	राहु	21/10/2040
	00/00/0000	चंद्र	04/04/2003	मंगल	03/09/2014	राहु	03/12/2028	गुरु	09/08/2041
	00/00/0000	मंगल	31/03/2004	राहु	21/09/2015	गुरु	04/08/2031	शनि	22/07/2042
	05/10/1989	राहु	18/10/2006	गुरु	27/08/2016	शनि	03/10/2034	बुध	29/05/2043
राहु	22/03/1992	गुरु	23/01/2009	शनि	06/10/2017	बुध	03/08/2037	केतु	03/10/2043
गुरु	03/10/1994	शनि	03/10/2011	बुध	03/10/2018	केतु	03/10/2038	शुक्र	03/10/2044

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/10/2044		03/10/2054		03/10/2061		03/10/2079		03/10/2095	
03/10/2054		03/10/2061		03/10/2079		03/10/2095		00/00/0000	
चंद्र	03/08/2045	मंगल	01/03/2055	राहु	15/06/2064	गुरु	21/11/2081	शनि	06/10/2098
मंगल	04/03/2046	राहु	19/03/2056	गुरु	09/11/2066	शनि	03/06/2084	बुध	16/06/2101
राहु	03/09/2047	गुरु	23/02/2057	शनि	15/09/2069	बुध	09/09/2086	केतु	26/07/2102
गुरु	02/01/2049	शनि	04/04/2058	बुध	03/04/2072	केतु	16/08/2087	शुक्र	25/09/2105
शनि	03/08/2050	बुध	01/04/2059	केतु	22/04/2073	शुक्र	16/04/2090	सूर्य	07/09/2106
बुध	03/01/2052	केतु	28/08/2059	शुक्र	21/04/2076	सूर्य	02/02/2091	चंद्र	07/04/2108
केतु	03/08/2052	शुक्र	27/10/2060	सूर्य	16/03/2077	चंद्र	03/06/2092	मंगल	17/05/2109
शुक्र	04/04/2054	सूर्य	04/03/2061	चंद्र	15/09/2078	मंगल	10/05/2093	राहु	06/10/2109
सूर्य	03/10/2054	चंद्र	03/10/2061	मंगल	03/10/2079	राहु	03/10/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।